आत्ममुग्धता के दौर से अब क्या बाहर निकलेगी भाजपा

दतिया विधानसभा उपचुनाव के परिणाम से अब भाजपा को आत्ममंथन की ज्यादा जरुरत

- सरकार से ज्यादा संगठन पर उठेंगे सवाल
- अब मंत्रिमंडल फेरबदल करना मजबूरी होगी

दतिया उपचुनाव

कन्हैया लोधी

भोपाल, 3 अगस्त. दतिया विधानसभा उपचुनाव के परिणाम ने भाजपा संगठन और सरकार दोनों को ही चौंका दिया है. दतिया विधानसभा भोपाल और दिल्ली के बीच रेलवे की मुख्य लाइन से जुड़ा हुआ है, जहां ताकतवर इंजन पटरियों पर दौड़ते हैं.

वहीं दूसरी तरफ भाजपा भी दावा करती है कि प्रदेश में डबल इंजन की सरकार ने विकास को नए पंख लगा दिये हैं, दावे इतने कि सुनने वाले थक जाए, लेकिन करने वाले नहीं. तो फिर ऐसा क्या हुआ कि दतिया में डबल इंजन पटरी से ही उतर गई. दतिया विधानसभा उपचुनाव प्रदेश की मौजूदा सरकार के कार्यकाल में हुआ दूसरा विधानसभा उपचुनाव था. पहला उपचुनाव श्योपुर का हुआ था. यहां के ताकतवर नेता रामनिवास रावत लोकसभा चुनाव के दौरान भाजपा में शामिल हो गए थे, सरकार ने इसका इनाम देते हुए उन्हें प्रदेश कैबिनेट में वन मंत्री बना दिया. लेकिन उसके बाद हुए उपचुनाव में रावत सीट नहीं बचा सके. कांग्रेस के मुकेश मल्होत्रा ने ऐसी पटखनी दी कि उन्हें मंत्री पद से भी हाथ धोना पड़ा. जब विजयपुर उपचुनाव हुआ तो प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीडी शर्मा थे. लेकिन अब दूसरे विधानसभा उपचुनाव में भी भाजपा को लगातार दूसरी बार पराजय का सामना करना पड़ा है. ये उपचुनाव भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में लड़ा गया. ये बतौर प्रदेश अध्यक्ष उनका पहला उपचुनाव था. ये उपचुनाव उनकी नेतृत्व क्षमता पर नए सवाल खड़ा करेगी, यह तय है. ये रिजल्ट भाजपा संगठन को फिर से आत्ममंथन के लिए मजबूर करेगी. एक तरह सरकार प्रदेश में विकास के बड़े दावे करती है. तो फिर ऐसा क्या है कि सरकार के विकास के दावे आम लोगों को प्रभावित नहीं कर पा रहे हैं. क्या कारण है कि लाड़ली बहना, जिन्होंने वर्ष 2023 में प्रदेश में भाजपा की सरकार बनाने में निर्णायक भूमिका निभाई थी, वे अब किनारा करती दिख रही हैं. आखिर सरकार से भी कहां चूक हो रही है. सरकार भले ही दावा करे कि कई अभियान चलाकर वह आम लोगों की लाखों समस्याओं का निराकरण कर रही है, लेकिन ये दावे जमीनी सच्चाई के कितने करीब है. क्या सरकार पब्लिक से कनेक्ट कर भी पा रही है या नहीं, इसे लेकर एक बार फिर मंथन करने की नौबत आएगी और फिर नए सिरे से रणनीति भी तैयार करना होगा. मौजूदा भाजपा सरकार ने अपने कार्यकाल का लगभग आधा सफर पूरा कर लिया है, अब आने वाले समय में डिलिवरी सिस्टम को और पुख्ता करना होगा, जिससे कि वर्ष 2028 के विधानसभा चुनाव में मजबूती से मैदान में उतर सके.

> दतिया विधानसभा चुनाव परिणाम का ठीकरा तो वैसे डॉ. नरोत्तम मिश्रा के सिर फोड़ा जाएगा, यह तय है, लेकिन केवल डॉ. मिश्रा की जवाबदेही तय करने से ही भाजपा संगठन अपनी जवाबदेही से बच जाएगी. ऐसा तो कम से कम नहीं होगा. डॉ. मिश्रा को टिकट नहीं मिलने से उठे विवाद का पटाक्षेप करने की भाजपा ने पुरजोर कोशिश की, लेकिन परिणाम बताते हैं, उसे इस मामले में लेशमात्र भी कामयाबी नहीं मिली.

इधर दतिया के चुनाव परिणाम ने कांग्रेस को अब नई ऑक्सीजन से भर दिया है. प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी अब ज्यादा ताकतवर बनकर उभरेंगे. उनके नेतृत्व पर सवाल उठाने वाले स्वर अब खामोशी ओढ़ लेंगे. मजबूरी में ही सही उनके नेतृत्व को अब सभी को स्वीकार करना होगा. पटवारी को पहले ही कांग्रेस हाईकमान का करीबी माना जाता था, अब दिल्ली दरबार में उनकी पूछपरख और पहले से बेहतर होगी साथ ही धमक भी. वहीं दूसरी तरफ प्रदेश कांग्रेस में नेतृत्व की दूसरी कतार मजबूती से तैयार हो गई है, यह चुनाव परिणाम भी इस बात के संकेत हैं. ये उपचुनाव प्रदेश कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में शुमार दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह, कमलनाथ और कांतिलाल भूरिया की बगैर प्रभावी उपस्थिति के लड़े गए. अब बुजुर्ग हो चले इन नेताओं की प्रासंगिकता पर भी सवाल उठेंगे. अगले विधानसभा चुनाव तक इनके नेतृत्व की धार और कमजोर होगी, ये तय है.

वहीं दूसरी तरफ अब भाजपा सरकार को दतिया उपचुनाव परिणाम के बाद नए सिरे से मंत्रिमंडल फेरबदल पर मजबूर होना पड़ेगा. ऐसे जमीनी नेताओं को सरकार में शामिल करना ही पड़ेगा, जिनकी पकड़ और धमक दोनों ही मजबूत हो. बहुत संभव है कि जल्द ही सरकार के चेहरों में बदलाव दिखे.

दागी कर्मचारियों की फिर हुई पोस्टिंग

सीधी, 3 अगस्त. जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक में धान खरीदी की लाखों की राशि में गड़बड़ी के दोषी एवं फर्जी डीडी जारी करने वाले पर सीईओ की मेहरबानी बनी हुई है. लिहाजा दागी कर्मचारियों की शाखाओं में फिर पोस्टिंग हो गई.

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीधी की कई शाखाएं सरकारी राशि की बड़े पैमाने पर अनियमितताओं को लेकर सुर्खियों में रही है. खासतौर से अमिलिया शाखा में समिति प्रबंधक व्यासमुनि पटेल रहते हुये वर्ष 2023-24 एवं 2024-25 में लाखों की धान शार्टेज के दोषी मिलने पर उन्हें मुख्यालय में अटैच कर दिया गया. शार्टेज राशि जमा कराये बिना ही हाल ही में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीधी के सीईओ द्वारा शाखा बहरी में पोस्टिंग कर दी गई. इसी तरह मोरवा के तत्कालीन शाखा प्रबंधक रहते हुये नागेन्द्र सिंह द्वारा बड़ी राशि की फर्जी डीडी जारी किये थे. इस मामले में वे करीब डेढ़ साल से मुख्यालय में अटैच थे. इन पर अभी निर्णय हुये बिना ही अमिलिया शाखा प्रबंधक बना दिया गया. ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि बैंक में लाखों की अनियमितताएं करने वाले दागी कर्मचारियों को फिर से पोस्टिंग देने के लिये बैंक प्रशासक/कलेक्टर से क्या अनुमति सीईओ द्वारा ली गई थी. ऐसे मामलों में बिना बैंक प्रशासक की अनुमति के दागी कर्मचारियों को शाखा में पदस्थ नहीं किया जा सकता.

जवाब देने से बचते दिखे सीईओ

> जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित सीधी के सीईओ आशय तिवारी से जब धान शार्टेज मामले में मुख्यालय में अटैच समिति प्रबंधक व्यासमुनि पटेल एवं तत्कालीन शाखा प्रबंधक मोरवा को फर्जी डीडी जारी करने के मामले में मुख्यालय में लम्बे समय तक अटैच रहने के बाद बिना प्रशासनिक अनुमति के दूसरी शाखाओं में पदस्थ करने के मामले में जानकारी चाही गई तो वह जवाब देने से बचते दिखे.

क्या प्रशासक से अनुमति लेकर की गई दागी कर्मचारियों की पोस्टिंग

जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक सीधी के सीईओ द्वारा क्या बैंक प्रशासक से अनुमति लेकर दागी कर्मचारियों की पोस्टिंग फिर से शाखाओं में की गई है इसकी चर्चा बैंक के गलियारों में ही बनी हुई है. विभागीय सूत्रों का कहना है कि सीईओ द्वारा कई निर्णय अपने स्तर से ही लेने का क्रम शुरू किया गया है. इसी वजह से दागी कर्मचारियों को कुछ समय बाद दूसरी शाखा में पोस्टिंग कराने में मदद मिल रही है.

नतीजा राजनीतिक बदलाव की शुरुआत : पटवारी

विशेष संवाददाता

भोपाल, 3 अगस्त . मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जीतू पटवारी ने दतिया विधानसभा उपचुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत को ऐतिहासिक जनादेश बताते हुए कहा कि यह परिणाम प्रदेश में राजनीतिक परिवर्तन की शुरुआत है और वर्ष 2028 में जनकेंद्रित सरकार की नींव रखेगा.

उन्होंने दतिया की जनता, प्रदेशवासियों तथा कांग्रेस और सहयोगी दलों के कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह जीत केवल एक उपचुनाव की सफलता नहीं, बल्कि लोकतंत्र की भावना की विजय है. उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव में सत्तापक्ष ने सरकारी तंत्र और राजनीतिक संसाधनों का व्यापक उपयोग किया तथा वरिष्ठ नेताओं और मंत्रियों ने पूरी ताकत झोंक दी, लेकिन मतदाताओं ने धनबल और सत्ता के प्रभाव को नकार दिया.

जीतू पटवारी ने इस विजय का श्रेय कांग्रेस कार्यकर्ताओं के अनुशासित और एक माह तक चले समर्पित अभियान को देते हुए कहा कि उनकी मेहनत और प्रतिबद्धता ने पार्टी को यह सफलता दिलाई. उन्होंने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव, प्रदेश अध्यक्ष मनोज यादव तथा समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ताओं के सहयोग के लिए भी आभार व्यक्त किया.

उन्होंने कहा कि दतिया का जनादेश विकास, पारदर्शिता और जवाबदेह शासन की जनता की बढ़ती आकांक्षाओं को दर्शाता है. कांग्रेस इस जनादेश को किसानों, युवाओं, महिलाओं, कर्मचारियों, व्यापारियों और समाज के प्रत्येक वर्ग की आवाज को और अधिक मजबूती देने की जिम्मेदारी के रूप में स्वीकार करेगी.

जीत पर कांग्रेस का जश्न

दतिया विधानसभा उपचुनाव में कांग्रेस की जीत के बाद सोमवार को राजधानी भोपाल में वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उत्साह के साथ जश्न मनाया. वरिष्ठ कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह के निवास पर आयोजित कार्यक्रम में नेताओं और कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर जीत की खुशी साझा की. नेताओं ने दतिया की जनता का आभार व्यक्त करते हुए इसे मध्यप्रदेश और देश की राजनीति के लिए महत्वपूर्ण जनादेश बताया.साथ ही नवनिर्वाचित विधायक घनश्याम सिंह को बधाई देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि वे क्षेत्र के विकास और जनता की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कार्य करेंगे. पूर्व मुख्यमंत्री कमल नाथ ने सोशल मीडिया पर जारी संदेश में कहा कि यह जीत प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता की मेहनत और दतिया की जनता के दृढ़ संकल्प का परिणाम है. उन्होंने कहा कि यह केवल उपचुनाव की जीत नहीं, बल्कि प्रदेश और देश में बदलते राजनीतिक माहौल का संकेत है. उनके अनुसार विद्यार्थियों और समाज के विभिन्न वर्गों में बढ़ती जागरूकता इस जनादेश में स्पष्ट रूप से दिखाई दी है. वरिष्ठ कांग्रेस नेता मुकेश नायक ने कहा कि यह परिणाम कांग्रेस के प्रति जनता के अटूट विश्वास और पटवारी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं की प्रतिबद्धता का प्रमाण है .नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने कहा कि दतिया में भाजपा की हार जनता की भावनाओं की अनदेखी और सत्ता के अहंकार का परिणाम है.

दतिया में जीत बदलाव का जनादेश

मध्यप्रदेश कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने दतिया विधानसभा उपचुनाव में इंडिया गठबंधन की जीत को प्रदेश की राजनीति में परिवर्तन का संकेत बताते हुए दावा किया है कि यह जनादेश वर्ष 2028 के विधानसभा चुनावों में सत्ता परिवर्तन की मजबूत आधारशिला बनेगा. प्रदेश कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन में सोमवार को आयोजित संयुक्त पत्रकार वार्ता में कांग्रेस मीडिया विभाग के अध्यक्ष डॉ. मुकेश नायक ने कहा कि दतिया की जनता ने भाजपा सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों, भ्रष्टाचार और सत्ता के दुरुपयोग के खिलाफ अपना स्पष्ट मत दिया है. उन्होंने दतिया के मतदाताओं तथा कांग्रेस कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए कहा कि किसानों, युवाओं और विद्यार्थियों ने मतदान के माध्यम से अपनी नाराजगी व्यक्त की है .डॉ. नायक ने आरोप लगाया कि खेती की बढ़ती लागत, बेरोजगारी, भर्ती एवं परीक्षा संबंधी अनियमितताओं तथा शिक्षा व्यवस्था की कमजोरियों से जनता का सरकार पर भरोसा कम हुआ है.

टॉपर बेटियों को मिली स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप

हितग्राही को हक की पूरी राशि मिलना पीएम के शासन में संभव : डॉ. मोहन यादव

भोपाल, 3 अगस्त . मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में ऐसी व्यवस्था बनी है, जिससे हितग्राहियों को योजनाओं की राशि सीधे और पूरी मिल रही है. उन्होंने कहा कि पहले सरकारी योजनाओं की राशि आम जनता तक पहुंचने में काफी अंतर रह जाता था, लेकिन जनधन खाते और डीबीटी व्यवस्था लागू होने से अब हितग्राहियों को शत-प्रतिशत राशि आसानी से प्राप्त हो रही है.

मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को कार्यक्रम में जिलों की टॉपर एवं प्रतिभाशाली छात्राओं को स्वर्ण शारदा स्कॉलरशिप की राशि प्रदान कर रहे थे. इस अवसर पर मंत्री विश्वास सारंग भी मौजूद रहे. मुख्यमंत्री ने छात्राओं और उनके अभिभावकों को बधाई देते हुए कहा कि सीमित संसाधनों के बावजूद बेटियों ने अपनी मेहनत और प्रतिभा के बल पर सफलता हासिल की है, जो पूरे प्रदेश के लिए गौरव की बात है. उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के विद्यार्थियों की उपलब्धियां प्रदेश की उपलब्धियां हैं. युवाओं को केवल नौकरी पाने तक सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि उन्हें स्वयं का व्यवसाय और उद्योग स्थापित करने की दिशा में भी आगे बढ़ना चाहिए. मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत में स्वावलंबन की परंपरा प्राचीन समय से रही है. अनुशासन, मेहनत और लगन के माध्यम से युवा अपने जीवन को नई दिशा दे सकते हैं.

पेज एक के शेष

भीतरघातियों का मां के साथ मजाक अच्छा नहीं : आशुतोष

विधानसभा चुनाव में पराजय स्वीकर करते हुए भाजपा प्रत्याशी आशुतोष तिवारी ने कहा कि सांसद विधायक बनना मेरे लिए महत्वपूर्ण नहीं है. लेकिन जिन लोगों ने भरोसा रखा उनके भरोसे को कायम रखना आखिरी सांस तक रहेगा. इसके साथ ही उन्होंने कहा कि इस हार की समीक्षा होगी लेकिन भीतरघातियों से मेरे केवल इतना ही कहना है कि जो भाजपा को मां कहते हैं और फिर मां के साथ इस प्रकार का मजाक वाला अंदाज रखते हैं. जो ठीक नहीं है. उनको भावनात्मक रुप से भी सोचना चाहिए. जबकि बिहार से जन सुराज पार्टी के उम्मीदवार प्रशांत किशोर ने कहा- की अगर अपराधी सीएम बनेंगे तो, तरक्की नहीं होगी। सम्राट चौधरी का चाल चरित्र हर कोई जनता है. बिहारी सिर्फ मजदूर बनने के लिए पैदा नहीं हुए हैं; राज्य एक बेहतर मुख्यमंत्री का हकदार है। मेरे विधायक बनने से बांकीपुर रातों-रात बेंगलुरु नहीं बन जाएगा, लेकिन आप अगले दो-तीन महीनों में यहां कुछ सुधार जरूर देखेंगे। बांकीपुर की जनता ने भाजपा नेतृत्व को एक स्पष्ट संदेश दिया है। कृपया बिहार के लिए एक अच्छे व्यक्ति को मुख्यमंत्री नियुक्त करें।

नए सियासी नैरेटिव का शंखनाद

की तपिश से लेकर आधुनिक दौर के युवा असंतोष तक, इस क्षेत्र ने हमेशा बदलाव की बयार को हवा दी है. इस उपचुनाव में प्रशांत किशोर की जीत ने साबित कर दिया है कि बिहार का मतदाता अब जातिगत जकड़न और पारंपरिक मंडल-कमंडल के आवरण से आगे निकलने को बेताब है.

क्योंकि भाजपा के राष्टीय अध्यक्ष नितिन नवीन के अपने ही गृह क्षेत्र में पार्टी की शिकस्त यह दर्शाती है कि शीर्ष नेतृत्व का कद जमीनी कार्यकर्ताओं के असंतोष और स्थानीय मुद्दों की उपेक्षा को नहीं ढक सकता है. चुनावी समीक्षकों की मानें तो प्रशांत किशोर के जन सुराज मॉडल ने शिक्षा, रोजगार और विकास के बुनियादी मुद्दों को उठाया और उसे बांकीपुर के प्रबुद्ध और युवा मतदाताओं ने हाथों-हाथ लिया. पीके का यह प्रयोग इस बात का स्पष्ट संकेत है कि बिहार की जनता अब खोखले वादों के बजाय जमीन पर दिखने वाले ठोस विजन को चुन रही है यानी मतदाताओं ने वैकल्पिक राजनीति को स्वीकार्यता दी है. जबकि दूसरी ओर मध्य प्रदेश के दतिया उपचुनाव के नतीजे भी इसी तरह के जमीनी बदलाव की तस्दीक कर रहा है. क्योंकि दतिया लंबे समय से राज्य की हाई-प्रोफाइल राजनीति का केंद्र रहा है. लेकिन यहाँ के चुनावी परिणाम ने साफ कर दिया है कि मतदाता अब किसी भी दल के राजनीतिक कब्जे को स्वीकार करने के मूड में नहीं है.

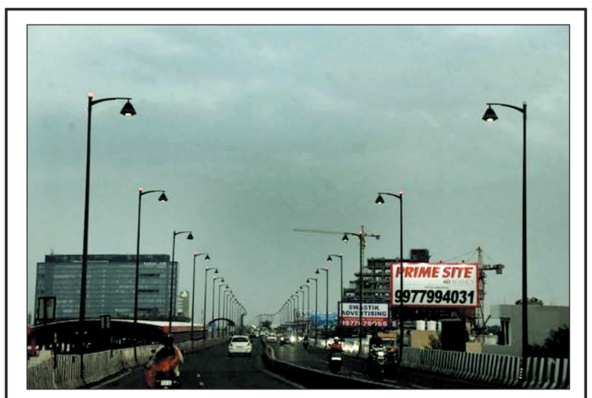

मध्यप्रदेश में पांच दिन फिर सक्रिय रहेगा मानसून

नवभारत न्यूज

भोपाल, 3 अगस्त. मध्य प्रदेश में एक बार फिर मानसून सक्रिय होता दिख रहा है. पिछले 24 घंटे में प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश दर्ज की गई, जबकि सीधी और सिंगरौली में कहीं-कहीं भारी बारिश हुई.

मौसम विभाग के अनुसार अगले 24 घंटे में भी प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में गरज-चमक के साथ बारिश का दौर जारी रहेगा. कई जिलों में 30 से 40 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने और वज्रपात की भी संभावना है. हालांकि 1 जून से 3 अगस्त तक प्रदेश में कुल बारिश सामान्य से 16 प्रतिशत कम बनी हुई है. पूर्वी मध्य प्रदेश में यह कमी 20 प्रतिशत और पश्चिमी मध्य प्रदेश में 13 प्रतिशत दर्ज की गई है. मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में मध्य समुद्र तल से अलग-अलग ऊंचाइयों पर बने चक्रवाती तंत्र, उत्तर-पूर्व राजस्थान के आसपास सक्रिय सिस्टम, मानसून ट्रफ और दक्षिण उत्तर प्रदेश के ऊपर बने तंत्र के कारण प्रदेश में नमी लगातार पहुंच रही है. यही वजह है कि अगले कुछ दिनों तक बारिश की गतिविधियां बनी रहने का अनुमान है. विभाग के पूर्वानुमान के मुताबिक 3 से 7 अगस्त तक प्रदेश के अधिकांश जिलों में कहीं-कहीं से लेकर अनेक स्थानों तक बारिश हो सकती है. शुक्रवार को कुछ हिस्सों में भारी से अति भारी बारिश की संभावना भी जताई गई है.

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा.लि. के लिए आशुतोष उपाध्याय द्वारा 6/54, फिरोज गांधी प्रेस काम्प्लेक्स, इंदौर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि. , फिरोज गांधी प्रेस कॉम्प्लेक्स इंदौर से मुद्रित. समूह संपादक क्रांति चतुर्वेदी*, *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत जिम्मेदार, फोन/फैक्स- 4096718 RNI Reg. No.7590/60